थोक महंगाई 12.29% पर: अक्टूबर 2026 के WPI आँकड़ों की पूरी तस्वीर



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने 16 नवंबर 2026 को अक्टूबर 2026 के थोक मूल्य सूचकांक (WPI) के अनंतिम आँकड़े जारी किए। थोक महंगाई सितंबर 2026 के 11.39% से बढ़कर 12.29% (वर्ष-दर-वर्ष) हो गई - लगातार दूसरा महीना जब WPI दहाई अंक में रहा। यह नई शृंखला (अप्रैल 2023 से उपलब्ध) का अब तक का उच्चतम स्तर है।

मुख्य आँकड़े (आधार वर्ष 2022-23)

सभी वस्तुएँ: सूचकांक 113.3 (सितंबर में 112.5); मुद्रास्फीति 12.29%
प्राथमिक वस्तुएँ: 9.24% (सितंबर में 8.67%); सूचकांक 120.6
ईंधन और बिजली: 32.84% (सितंबर में 25.85%); सूचकांक 115.7 - सबसे बड़ा चालक
विनिर्मित उत्पाद: 9.54% (सितंबर में 9.76%); सूचकांक 110.2
WPI खाद्य सूचकांक: 8.58% (भार 24.99%) - इसमें प्राथमिक वस्तुओं के 'खाद्य पदार्थ' और विनिर्मित समूह के 'खाद्य उत्पादों का निर्माण' शामिल हैं

महंगाई के चालक: खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पाद), कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस, बिजली, खाद्य पदार्थ, मूल धातुएँ, रसायन, खाद्य उत्पाद निर्माण, गैर-खाद्य वस्तुएँ, वस्त्र, रबर और प्लास्टिक उत्पाद। कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस खंड में मुद्रास्फीति 70% से ऊपर रही (अक्टूबर में 70.8%, सितंबर में 57.3%)। अगस्त 2026 का अंतिम सूचकांक 110.8 (मुद्रास्फीति 9.92%) अपरिवर्तित रहा।

WPI क्या है और नई शृंखला क्यों खास है

परिचय: थोक मूल्य सूचकांक थोक बाज़ार में वस्तुओं के मूल्य-परिवर्तन को मापता है; भारत में इसे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार कार्यालय (eaindustry.nic.in) जारी करता है। मौजूदा शृंखला का आधार वर्ष 2022-23 है, जिसके आँकड़े अप्रैल 2023 से उपलब्ध हैं।

PPI की ओर: इसी रिलीज़ के साथ मंत्रालय ने आउटपुट उत्पादक मूल्य सूचकांक (Output PPI) और ट्रायल इनपुट PPI भी जारी किया - यानी अंतर्राष्ट्रीय प्रचलन के अनुरूप उत्पादक मूल्य सूचकांक की ओर बढ़ने की प्रक्रिया जारी है।

खुदरा से जुड़ाव: इससे पहले जारी CPI आँकड़ों में अक्टूबर की खुदरा महंगाई RBI की सहनसीमा की ऊपरी सीमा 6% से ऊपर रही थी। थोक महंगाई का दबाव आगे चलकर खुदरा कीमतों में उतर सकता है, जिससे दिसंबर की मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक में दरों पर फैसला और महत्वपूर्ण हो गया है।

आगे की राह

ईंधन-आधारित मूल्य दबाव अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल और रुपये की चाल पर निर्भर करेगा। यदि थोक महंगाई का पास-थ्रू (pass-through - थोक दामों का खुदरा दामों में उतरना) बढ़ा, तो मौद्रिक नीति पर दबाव बढ़ेगा; साथ ही WPI से PPI संक्रमण पर आगामी आँकड़ों को देखना होगा।

विश्लेषण: कारण और चुनौतियाँ

आपूर्ति-पक्ष कारण: पश्चिम एशिया के तनाव से कच्चे तेल की कीमतें ऊँची हैं; ईंधन-शृंखला का असर परिवहन, विनिर्माण और खाद्य तक फैल रहा है। धान, मक्का, तिलहन और दलहन (विशेषकर तुर) की बुवाई/उत्पादन में कमी की आशंका खाद्य मूल्य दबाव बढ़ा सकती है।

माँग-पक्ष कारण: त्योहारी खरीदारी से माँग-चालित दबाव भी जुड़ा, जिससे महंगाई 'लचीली' (sticky) हो सकती है।

नीति दुविधा: दर-वृद्धि मूल्य-स्थिरता के लिए ज़रूरी है, पर इससे ऋण, निवेश और उपभोग दब सकते हैं और वृद्धि पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर, केंद्र सरकार ईंधन निर्यात शुल्क जैसे राजकोषीय उपकरणों से घरेलू उपलब्धता संभाल रही है (16 नवंबर को डीजल निर्यात शुल्क ₹14 प्रति लीटर किया गया)।

सूचकांक-संक्रमण: CPI नई शृंखला (आधार 2024) और WPI नई शृंखला (आधार 2022-23) में हैं; WPI से PPI की ओर बढ़ने की प्रक्रिया भी जारी है - दीर्घकालिक तुलना-विश्लेषण सावधानी माँगता है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. "भारत में मौजूदा मुद्रास्फीति मुख्यतः आपूर्ति-चालित है, फिर भी मौद्रिक नीति के सामने कठिन चुनाव हैं।" इस कथन की अक्टूबर 2026 के आँकड़ों के आलोक में समीक्षा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए - 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में CPI 6.09% और WPI 12.29% (अक्टूबर 2026) के आँकड़ों से विषय प्रस्तुत करें; RBI का 4±2% लक्ष्य-ढाँचा बताएँ।

मुख्य भाग में (1) आपूर्ति-पक्ष कारण - कच्चा तेल 70.8% (WPI), ईंधन-बिजली 32.84%, खाद्य 8.94% (CFPI), तुर आदि की उत्पादन-आशंका (2) माँग-पक्ष संकेत - त्योहारी माँग, सभी वर्गों में शृंखला-उच्च महंगाई (3) मौद्रिक विकल्प - अक्टूबर में रेपो 5.50%, 'कैलिब्रेटेड टाइटनिंग'; दर-वृद्धि बनाम वृद्धि-निवेश की दुविधा (4) राजकोषीय पूरक उपाय - निर्यात शुल्क, आपूर्ति प्रबंधन।

निष्कर्ष में संतुलित राय दें - केवल दर-वृद्धि से आपूर्ति-चालित महंगाई नहीं रुकेगी; मौद्रिक-राजकोषीय समन्वय और आपूर्ति-पक्ष सुधार साथ चलना ज़रूरी है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्न 1: अक्टूबर 2026 में थोक महंगाई कितनी रही?
उत्तर: WPI आधारित थोक महंगाई 12.29% (वर्ष-दर-वर्ष) रही, जो सितंबर 2026 में 11.39% थी।

प्रश्न 2: WPI की मौजूदा शृंखला का आधार वर्ष क्या है?
उत्तर: 2022-23; इस शृंखला के आँकड़े अप्रैल 2023 से उपलब्ध हैं।

प्रश्न 3: सबसे ज़्यादा महंगाई किस समूह में रही?
उत्तर: ईंधन और बिजली समूह में 32.84% मुद्रास्फीति रही; कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस खंड में यह 70.8% तक पहुँची।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: अक्टूबर 2026 के WPI (आधार वर्ष 2022-23) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन 1: सभी वस्तुओं की वर्ष-दर-वर्ष मुद्रास्फीति 12.29% रही
कथन 2: ईंधन और बिजली समूह की मुद्रास्फीति 32.84% रही
कथन 3: WPI खाद्य सूचकांक का भार WPI में 24.99% है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या
सही उत्तर: (d)
तीनों कथन वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के 16 नवंबर 2026 के आधिकारिक आँकड़ों से मेल खाते हैं

प्रश्न 2: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
कथन 1: भारत में WPI वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय जारी करता है
कथन 2: WPI की मौजूदा शृंखला का आधार वर्ष 2011-12 है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर और व्याख्या
सही उत्तर: (a)
कथन 1 सही है - WPI वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (आर्थिक सलाहकार कार्यालय) जारी करता है
कथन 2 गलत है - मौजूदा शृंखला का आधार वर्ष 2022-23 है

स्रोत

- PIB, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, अक्टूबर 2026 के अनंतिम WPI आँकड़े (16 नवंबर 2026): www.pib.gov.in
- DD News: ddnews.gov.in
- MoSPI: October CPI release
- RBI: policy repo rate, 7 October 2026
- RBI: Governor's Statement, 7 October 2026

संबंधित लेख

- अक्टूबर 2026 में खुदरा महंगाई 6.09%: दो साल के शिखर पर, RBI की सहनशीलता-सीमा पार